एमएलबी स्कूल की बाउंड्री पर गिरा बबूल का पेड़, मलबे में दबकर तीन घायल

सहेली का एडमिशन कराने आई युवती गंभीर,मलबे की चपेट में आने से तीन वाहन भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त

सतना।

स्थानीय पीएमश्री महारानी लक्ष्मीबाई (एमएलबी) बालिका विद्यालय के पास गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। विद्यालय परिसर में लगा एक पुराना बबूल का पेड़ अचानक भरभराकर बाउंड्री वॉल पर गिर गया। पेड़ के वजन से बाउंड्री वॉल का एक बड़ा हिस्सा ढह गया,जिसकी चपेट में आने से वहां खड़े तीन लोग मलबे में दबकर घायल हो गए। हादसे में पास खड़े तीन वाहन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। घटना के बाद स्कूल परिसर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल निर्मित हो गया।

ऑटो का इंतजार करते समय हुआ हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,कोलगवां निवासी खुशी यादव 24वर्ष अपनी परिचित प्रांशी रजक 16 वर्ष का एमएलबी स्कूल में प्रवेश (एडमिशन) कराने आई थीं। उनके साथ 13वर्षीय किशोर अनुराग भी था। प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों वापस घर जाने के लिए सड़क किनारे एक स्ट्रीट फूड ठेले के पास खड़े होकर ऑटो का इंतजार कर रहे थे।इसी दौरान अचानक पेड़ बाउंड्री वॉल पर आ गिरा,जिससे दीवार का भारी मलबा सीधे उनके ऊपर आ गिरा।

स्थानीय लोगों ने मलबे से निकाला,एक गंभीर

घटना होते ही आसपास मौजूद स्थानीय लोग और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़े।लोगों ने मुस्तैदी दिखाते हुए तत्काल मलबे को हटाकर नीचे दबे तीनों घायलों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। सभी घायलों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के अनुसार,हादसे में खुशी यादव को गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उन्हें बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए हैं। वहीं,प्रांशी और अनुराग को सामान्य चोटें आई हैं, जिनका इलाज जारी है।

प्राचार्य ने साधी चुप्पी

इस गंभीर लापरवाही और हादसे के संबंध में जब एमएलबी विद्यालय के प्राचार्य मिथलेश साहू से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया,तो उन्होंने मामले में कुछ भी कहने से साफ इनकार कर दिया और कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

शहर के बीचों-बीच कबाड़ का कारोबार से नगरवासियों में आक्रोश

बिना अनुमति भंडारण से बढ़ा खतरा

मैहर।

इस समय जिला प्रशासन शहर को स्वच्छ बनाने में लगा हुआ है वहीं नगर में कुकरमुत्ते की तहर कबाड़ की दुकाने खुलती जा रही है जहां पर जमाने भर का कचरा इकठ्ठा हो रहा है जिससे कबाड़ की दुकानों के आस पास रहवासियों को विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है क्यों कबाड़ में अधिकांश तौर पर लोहे की सामग्री के साथ अन्य घातक सामग्रियों को रखा जाता है। इन कबाड़ की दुकानों पर क्या जिला प्रशासन निरीक्षण कर तय करेगा कि इन दुकानों का शहर के अंदर रहना चाहिए या शहर के बाहर होना चाहिए। शहर के विभिन्न वार्डों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संचालित हो रहे कबाड़ कारोबार को लेकर कई सवाल खड़े होने लगे हैं। लोगों का आरोप है कि शहर के भीतर बड़ी संख्या में कबाड़ की दुकानें संचालित हो रही हैं,जहां कागज, प्लास्टिक, लोहा और अन्य ज्वलनशील सामग्री का बड़े पैमाने पर भंडारण किया जा रहा है,जबकि इनमें से कई प्रतिष्ठानों के पास आवश्यक अनुमति और अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं है। नियमों के अनुसार,कबाड़ सामग्री,विशेषकर कागज,प्लास्टिक और अन्य ज्वलनशील वस्तुओं के बड़े पैमाने पर भंडारण के लिए संबंधित नगरीय निकाय,अग्निशमन विभाग तथा आवश्यकतानुसार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति लेना अनिवार्य माना जाता है। इसके अलावा भंडारण क्षमता,सुरक्षा मानकों और अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह भी बताया जाता है कि इन कबाड़ की दुकानों में चोरी के वाहन लाकर काटे जाते है और उनको पुराना बनाकर बिक्री किया जाता है। लोगो का कहना है कि शहर के कई रिहायशी क्षेत्रों में पुरानी बस्ती से लेकर कटरा बाजार,सरलानगर रोड,रीवा रोड सतना रोड मे बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों के कबाड़ का भंडारण किया जा रहा है। कागज और प्लास्टिक अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ होते हैं और ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की चिगारी या शॉर्ट सर्किट बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। घनी आबादी के बीच संचालित इन प्रतिष्ठानों से आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा हो रहा है। जानकारों के अनुसार,यदि किसी कबाड़ व्यवसाय में बड़े पैमाने पर अपशिष्ट सामग्री का संग्रहण किया जाता है,तो संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति,अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था तथा पर्यावरणीय मानकों का पालन किया जाना आवश्यक है। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित विभाग कार्रवाई कर सकते हैं। सवाल यह उठ रहा है कि शहर के भीतर संचालित इन कबाड़ प्रतिष्ठानों की जांच आखिर कब होगी और क्या इनके पास सभी आवश्यक वैधानिक दस्तावेज मौजूद हैं? नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर में संचालित सभी कबाड़ व्यवसायों का सर्वे कर उनकी वैधता,सुरक्षा मानकों और आवश्यक अनुमतियों की जांच की जाए,ताकि भविष्य में किसी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

नाली के गंदे पानी के बीच गुजर रही पेयजल पाइप लाइन जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़

शीघ्र सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो कांग्रेस जनआंदोलन करने को बाध्य होगी

मैहर।

मैहर के उत्तर दरवाजा से पांडेय टोला मार्ग पर पेयजल व्यवस्था की भयावह तस्वीर सामने आई है।नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने नगर पालिका पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि नगर पालिका की घोर लापरवाही और असंवेदनशीलता के कारण लोगों के घरों तक पहुंचने वाली पेयजल पाइपलाइन खुले नाले के भीतर से गुजर रही है,जिससे दूषित पानी के पेयजल में मिलने का खतरा लगातार बना हुआ है। प्रभात द्विवेदी ने कहा कि यह केवल तकनीकी खामी नहीं बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। क्षेत्र में नाली के अंदर गंदा एवं बदबूदार पानी भरा हुआ है वहीं प्लास्टिक कचरा घरेलू अपशिष्ट और गंदगी के बीच से पेयजल पाइपलाइन गुजरती दिखाई दे रही है। ऐसे में पाइपलाइन में किसी भी प्रकार का रिसाव होने पर नाली का दूषित पानी पेयजल में मिश्रित होकर घरो तक पहुंच सकता है। श्री द्विवेदी ने बताया कि नाली में बड़ी मात्रा में कचरा जमा है जिससे जल निकासी प्रभावित हो रही है। कई स्थानों पर पाइपलाइन सीधे गंदे पानी के संपर्क मे नजर आ रही है। स्थानीय लोगो का कहना है कि बरसात के दौरान स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है तथा जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने कहा कि नगरपालिका का दायित्व नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है,लेकिन यहां हालात इसके विपरीत है। यदि समय रहते पाइपलाइन को नाली से अलग कर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित नहीं किया गया और जल गुणवत्ता की जांच नहीं कराई गई, तो डायरिया,टाइफाइड,हैजा जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

मैहर जिले में विलुप्त होती चारागाह और तालाबों की सरकारी जमीनें

मैहर।

मैहर विधानसभा क्षेत्र में शासकीय चारागाह भूमि और तालाबों के तेजी से सिकुड़ते जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय स्तर पर किए गए एक सर्वे के अनुसार,बीते दो दशकों में चारागाह के लिए आरक्षित खसरा नंबरों में दर्ज रकबे में लगातार कमी दर्ज की गई है,वहीं इन जमीनों से लगी निजी भूमियों का दायरा उसी अनुपात में बढ़ता चला गया है।

चारागाह की जमीन कैसे हो रही विलुप्त

स्थानीय निवासियों और भूमि दस्तावेजों के हवाले से यह दावा किया जा रहा है कि चारागाह के रूप में दर्ज खसरों का रकबा राजस्व अभिलेखों में धीरे-धीरे कम होता गया है,जबकि आसपास की निजी भूमियों के स्वामित्व में इजाफा हुआ है। आरोप है कि चारागाह से सटी जिन जमीनों पर पहले वर्षों से किसान खेती करते आ रहे थे,वे अब भू-माफिया के हाथों पहुंच गई हैं और वहां प्लाटिंग कर बिक्री की जा रही है। बताया जा रहा है कि अपनी वास्तविक भूमि की रजिस्ट्री कराकर वास्तविक कब्जा शासकीय व चारागाह भूमि पर किया जा रहा है,जिससे कागजों में सब कुछ वैध दिखता है।

शहर से गायब होते तालाब

चारागाह भूमि के अलावा मैहर शहर के तालाबों की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार शहर में कभी दो दर्जन से अधिक तालाब हुआ करते थे,जिनकी संख्या अब लगातार घटती जा रही है। पुराने संरक्षण केंद्र के समीप स्थित एक बड़ा तालाब पूरी तरह अस्तित्वहीन हो चुका है। इसी तरह मैहर सिविल अस्पताल के पीछे स्थित तालाब भी अब लगभग समाप्त हो चुका है और उसकी जगह मकान बन चुके हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शासकीय भूमि के संरक्षण के प्रति तहसील और एसडीएम कार्यालय के कुछ कर्मचारियों की गंभीरता नहीं दिखती,जिसके चलते भू-माफिया आसानी से राजस्व अभिलेखों में हेरफ़ेर कर पाते हैं और इन जमीनों को ऊंची कीमत पर बेच देते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थापना से स्थानीय भूमि कारोबारियों के साथ नजदीकी संबंध बनने की आशंका रहती है,जिसका दुरुपयोग शासकीय दस्तावेजों में फ़ेरबदल के लिए किए जाने का अंदेशा जताया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक बसों का आवंटन निरस्त होना निंदनीय, जनहित में जल्द संचालन सुनिश्चित हो, कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

सतना।

सतना से 20 इलेक्ट्रिक बसों का आवंटन निरस्त होना अति दुर्भाग्यपूर्ण है,जनहित में जल्द संचालन सुनिश्चित हो तथा निरस्त किए गए आवंटन की उच्च स्तरीय जांच हो। जिला कांग्रेस कमेटी सतना शहर प्रवक्ता अमित गोयल ने बताया कि जिला कांग्रेस कमेटी सतना अध्यक्ष व विधायक सतना सिद्धार्थ कुशवाहा एवं जिला कांग्रेस कमेटी सतना शहर अध्यक्ष आरिफ इकबाल सिद्दीकी के नेतृत्व में सतना को आवंटित 20 इलेक्ट्रॉनिक बसों का आवंटन निरस्त होने पर जनप्रतिनिधियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। जिसमें स्मार्ट सिटी सतना को आधुनिक,प्रदूषण मुक्त और सुगम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के मामले में एक बड़ा झटका लगा है। केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की 'प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना' के तहत सतना जिले को 20इलेक्ट्रिक बसों की सौगात स्वीकृत की गई थी। इसके लिए नगर निगम द्वारा बस डिपो और चार्जिंग स्टेशन जैसी प्रारंभिक तैयारियां भी शुरू कर दी गई थीं। लेकिन,अत्यंत खेद का विषय है कि परिवहन विभाग की ग्वालियर में हुई उच्च स्तरीय बैठक में बिना किसी ठोस कारण के सतना के हिस्से की इन 20 इलेक्ट्रिक बसों का आवंटन बदलकर भोपाल और इंदौर को कर दिया गया। सतना के जनप्रतिनिधियों की मौन सहमति या प्रशासनिक उदासीनता के कारण शहर के हज़ारों आम नागरिकों,छात्रों और दैनिक यात्रियों को इस आधुनिक सुविधा से वंचित होना पड़ रहा है। सतना को मिलने वाली बसों को चुपचाप अन्य बड़े शहरों में स्थानांतरित करने के पूरे निर्णय की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व विधायक सतना सिद्धार्थ कुशवाहा ने सतना वासियों के हकों की रक्षा करते हुए कहा कि,पूर्व स्वीकृत 20 इलेक्ट्रिक बसों का आवंटन सतना के लिए बहाल किया जाए,शहर में प्रदूषण कम करने और आम जन-जीवन को सुलभ परिवहन देने हेतु इन बसों का संचालन सतना की सड़कों पर जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए। नगर पालिका निगम सतना के कांग्रेस से पार्षद अमित अवस्थी ने कहा की आवंटित हुई 20 इलेक्ट्रिक बसों का आवंटन निरस्त होने की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए और सतना में ई-बसों का संचालन शुरू होना चाहिए। ज्ञापन देने में दोनों अध्यक्षों के साथ रावेंद्र सिंह,रामकुमार तिवारी,अमित अवस्थी, तिलक राज सोनी,पंकज कुशवाहा,अखिलेश यादव, किशोर मलिक,सुनील चौधरी,प्रवक्ता रितेश त्रिपाठी, उर्मिला त्रिपाठी,प्रवक्ता अमित गोयल, सतेंद्र निगम,मोहन सिंह,जतिन शाह, दुर्गेश चौरसिया, अंकित गुप्ता विक्रांत त्रिपाठी, राहुल सोनी, शैलेश तिवारी,संजय तिवारी, छोटेलाल यादव, शरद सिंह, सुखविंदर विरमानी, संदीप मिश्रा,नसीम अख्तर, किशन अहिरवार एवं अन्य कांग्रेस जन मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

विदाई न करने से नाराज शराबी पति ने गर्भवती पत्नी पर चाकू से किए ताबड़तोड़ वार, हालत गंभीर

सतना। बरौंधा थाना क्षेत्र के मल्लिहाई गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां देवलहा निवासी एक शराबी पति ने अपनी गर्भवती पत्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। वारदात के पीछे की वजह पत्नी द्वारा ससुराल जाने से मना करना बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार,आरोपी पति शराब के नशे में धुत्त होकर मल्लिहाई गांव पहुंचा था। वहां पत्नी के विदा होने से इनकार करने पर वह आगबबूला हो गया और उसने पास रखे चाकू से महिला पर कई वार कर दिए। चीख-पुकार सुनकर आस-पास के लोग इकट्ठा हुए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और लहूलुहान हालत में महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां में भर्ती कराया। चूंकि महिला गर्भवती है और उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई थी,इसलिए प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे तुरंत जिला अस्पताल सतना के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल जिला अस्पताल में महिला का इलाज जारी है,जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विकसित भारत -रोजगार एवं आजीविका मिशन का शुभारंभ

मैहर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण के राष्ट्रीय शुभारंभ के अवसर पर आज मैहर विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत झझवरी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए विभिन्न जानकारी विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के द्वारा दी गई। श्री चतुर्वेदी ने कहा कि यह मिशन ग्रामीण श्रमिकों के जीवन में नई आशा और आत्मनिर्भरता का संचार करेगा। 125 दिनों का सुनिश्चित रोजगार,समय पर भुगतान तथा कृषि कार्यों के लिए अतिरिक्त रोजगार उपलब्ध कराते हुए श्रमिकों को सम्मान,सुरक्षा एवं बेहतर आजीविका के अवसर प्रदान करेगा। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण एवं जन हितकारी पहल है। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी,जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती जयंती महेश तिवारी,जनपद अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा लोधी,आदित्य नारायण शुक्ला,सरपंच एवम ग्रामीणों सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जन्मदिन पर फल वितरण और पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

सतना। लोकसभा क्षेत्र के सांसद गणेश सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर मझगवाँ मण्डल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मझगवां स्वास्थ्य केन्द्र में फल वितरण एवं वृक्षारोपण किया गया। जिसमे मुख्य रूप से मण्डल अध्यक्ष रमेश सिंह धुर्वे जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह कछवाह,सांसद प्रतिनिधि निरंजन जायसवाल,भाजपा नेता राजकुमार जायसवाल,वरिष्ठ भाजपा नेता अवध बिहारी मिश्र,पूर्व जिला कोषाध्यक्ष श्रीराम अवतार दद्दा उपाध्यक्ष राहुल उपाध्याय बीरेंद्र गुप्ता,मीडिया प्रभारी शिवांशु जायसवाल, शैलेंद्र प्रसाद सिंह,एसटी मोर्चा अध्यक्ष हाकिम राजपाल राजकुमार गुप्ता सभी वरिष्ठ जेष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता बन्धु,पदाधिकारी, एवं सीएचसी के चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार अज्ञात डंपर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल, एक की हालत गंभीर

अमानगंज। अमानगंज-पन्ना मुख्य सड़क मार्ग पर पिपरवाह बाईपास के पास तेज रफ्तार अज्ञात डंपर ने मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए, जिनमें एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृष्णा पिता पंचमा, उम्र 25 वर्ष, निवासी दढोलपुरा विक्रमपुर, अपने साथी के साथ अमानगंज से मोटरसाइकिल से घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान पिपरवाह बाईपास के पास अज्ञात डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कृष्णा का पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायल युवकों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कृष्णा की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार की आवश्यकता बताई जा रही है। घटना के बाद डंपर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और अज्ञात डंपर की तलाश की जा रही है।

आध्यात्मिक मूल्य के साथ सेवाएं करें डॉक्टर - ब्रह्माकुमारी

पन्ना। अंतरराष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के उपलक्ष्य में जिला चिकित्सालय पन्ना में ब्रह्माकुमारी विद्यालय की ओर से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया ब्रह्माकुमारी बहन ने सभी डॉक्टरों का बैजेस एवं ईश्वरीय सौगात देकर सम्मान किया सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा की डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप माना गया है आप पर परिवार के साथ-साथ समाज की भी बहुत बड़ी जिम्मेवारी है। आपने कहा कई बार डॉक्टर के स्नेह पूर्ण शब्द मधुर मुस्कान और आत्मीय व्यवहार रोगी के आधे कष्ट को दूर कर देता है उन्होंने कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं बल्कि मानवता की सर्वोच्च सेवा है,जब चिकित्सा विज्ञान के साथ-साथ आध्यात्मिक मूल्य और मानवीय संवेदनाएं जुड़ती हैं तब उपचार और अधिक प्रभावशाली बन जाता है,आपने कहा कि राजयोग मेडिटेशन डॉक्टरो को मानसिक शांति सकारात्मक ऊर्जा और तनाव मुक्त जीवन प्रदान करता है जब चिकित्सा स्वंय भीतर से शांत और शक्तिशाली होंगे तभी वह रोगियों को भी आशा विश्वास आत्म बल प्रदान कर सकेंगे।

शिक्षा की नई इबारत लिखेगा लाला कमलापत एजुकेशन सेंटर, जल्द अस्पताल निर्माण की दिशा

जेके सीमेंट के नए शिक्षा केंद्र का भव्य लोकार्पण, सांसद वी.डी. शर्मा, पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह और एमडी राघव सिंघानिया ने किया शुभारंभ

पन्ना।

जिले के जेके सीमेंट प्लांट परिसर में नव-निर्मित श्लाला कमलापत एजुकेशन सेंटरश का भव्य लोकार्पण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व और क्षेत्रीय विकास को समर्पित इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शुभारंभ सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा, पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह तथा जेके सीमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राघव सिंघानिया ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर किया। समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, जेके सीमेंट प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।अपने संबोधन में सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी शिक्षित युवा पीढ़ी होती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल में इस स्तर का आधुनिक शिक्षा केंद्र स्थापित होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने जेके सीमेंट द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान आने वाले वर्षों में हजारों विद्यार्थियों के सपनों को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि उद्योग केवल आर्थिक विकास तक सीमित न रहकर समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं, तभी विकास का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस विद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी भविष्य में प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता पर बल देते हुए अस्पताल निर्माण की दिशा में भी पहल करने की बात कही। इसके पश्चात पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि जेके सीमेंट ने शिक्षा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा केंद्र क्षेत्र के बच्चों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ होना भी आवश्यक है। पन्ना मे मेडिकल कॉलेज बन रहा है पर प्लांट क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों के हजारों लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उन्होंने कंपनी प्रबंधन से एक आधुनिक अस्पताल स्थापित करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को उपचार के लिए दूर-दराज़ नहीं जाना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उनके इस प्रस्ताव का कार्यक्रम में उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी समर्थन किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेके सीमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राघव सिंघानिया ने कहा कि कंपनी हमेशा शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास को प्राथमिकता देती रही है। उन्होंने बताया कि श्लाला कमलापत एजुकेशन सेंटरश का उद्देश्य केवल विद्यालय का संचालन करना नहीं, बल्कि क्षेत्र के बच्चों को आधुनिक संसाधनों, उत्कृष्ट शिक्षण व्यवस्था और बेहतर भविष्य के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों द्वारा अस्पताल निर्माण की रखी गई मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कंपनी इस विषय पर गंभीरता से विचार करेगी और आने वाले समय में क्षेत्रवासियों के लिए अस्पताल निर्माण की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जेके सीमेंट भविष्य में भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों के माध्यम से क्षेत्र के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाती रहेगी।समारोह में विधायक प्रहलाद लोधी, राजेश वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे, जय प्रकाश चतुर्वेदी,कमल लालवानी,संजय सिंह परिहार,मलखान सिंह,प्रशांत तुर्वेदी,जेके सीमेंट के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया और इसे क्षेत्र के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।यदि यह खबर दैनिक भास्कर, पत्रिका या नई दुनिया जैसी अखबार की शैली में प्रकाशित करनी है, तो इसे उसी फॉर्मेट में और भी धारदार बनाया जा सकता है।

लाइनमैन अंबिका प्रसाद पांडे सेवानिवृत्त सलेहा में हुआ भव्य सम्मान समारोह

पन्ना।

सलेहा विद्युत वितरण केंद्र में पदस्थ वरिष्ठ लाइनमैन अंबिका प्रसाद पांडे के 36 वर्ष 2 माह के सफल एवं गौरवपूर्ण सेवाकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर वेदांत पब्लिक स्कूल, सलेहा में भावभीना विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विद्युत विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, पत्रकारों, गणमान्य नागरिकों तथा पांडे जी के परिजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कनिष्ठ अभियंता विकास गुप्ता, सहायक परीक्षक रवि कुमार गर्ग, लाइनमैन लाल बाबू, बृजकिशोर कुशवाहा, रामकृपाल, जवाहर कुशवाहा, विभाग के आउटसोर्स कर्मचारी, सेवानिवृत्त शिक्षक मुन्नीलाल त्रिपाठी, स्थानीय पत्रकार एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने अंबिका प्रसाद पांडे का तिलक कर, माल्यार्पण, शाल एवं श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया तथा उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। समारोह में पांडे जी के परिवारजन भी मौजूद रहे। इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता विकास गुप्ता, सहायक परीक्षक रवि कुमार गर्ग, सेवानिवृत्त शिक्षक मुन्नीलाल त्रिपाठी सहित अन्य वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि अंबिका प्रसाद पांडे ने पूरे सेवाकाल में कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ कार्य किया। उनका व्यवहार हमेशा सरल, सौम्य और सहयोगात्मक रहा, जिसके कारण वे विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के बीच समान रूप से सम्मानित रहे। अपने उद्बोधन में सेवानिवृत्त लाइनमैन अंबिका प्रसाद पांडे ने विभाग के अधिकारियों, सहकर्मियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने पूरे सेवाकाल में सभी का भरपूर सहयोग और स्नेह मिला। उन्होंने कहा कि विभाग के साथ बिताए गए जीवन के पल अमूल्य पूंजी हैं। इनमें से लगभग 14 वर्षों तक उन्होंने सलेहा विद्युत कार्यालय में अपनी सेवाएं दीं, जहां उन्होंने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ उपभोक्ताओं की सेवा को प्राथमिकता दी। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों द्वारा पांडे जी को उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएं देने के साथ हुआ।

स्कूल के छात्रों ने खोला गुठली बैंक आम-जामुन के बीज इकट्ठा कर लगाएंगे पौधे

पन्ना।

शासकीय माध्यमिक शाला नारायणपुर के छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल करते हुए विद्यालय में श्गुठली बैंकश की स्थापना की है। इसमें बच्चे गर्मियों में खाए जाने वाले आम, जामुन, इमली और बेर की गुठलियां/बीज इकट्ठा करेंगे और बारिश में उनसे पौधे तैयार करेंगे। इस अभियान की शुरुआत शिक्षक सतानंद पाठक ने की। उन्होंने बताया कि अक्सर हम फल खाकर गुठली कचरे में फेंक देते हैं। जबकि एक गुठली से कल एक बड़ा पेड़ बन सकता है जो हमें फल, छाया और ऑक्सीजन देगा। बच्चों को प्रकृति का कर्ज चुकाना सिखाने के लिए यह बैंक खोला गया है। विद्यालय के बरामदे में एक मिट्टी का घड़ा रखा गया है जिसे श्गुठली बैंकश नाम दिया है। बच्चे रोज घर से धोकर सुखाई हुई गुठलियां लाकर इसमें डाल रहे हैं। कक्षा 7वीं के छात्र राज वर्मन ने कहा कि मैंने कल 15 आम की गुठली डाली हैं। गुरुजी ने कहा है कि जुलाई में हम सब मिलकर इन्हें गांव के बाहर खाली जमीन पर बोएंगे। सतानंद पाठक ने बताया कि पिछले माह साइकिल रैली के दौरान उन्होंने देखा कि सड़क किनारे सैकड़ों फलदार पेड़ सूख गए हैं। तब लगा कि नए पेड़ लगाने का सबसे सस्ता तरीका गुठली सहेजना है। लक्ष्य है कि इस सीजन में 1000 से ज्यादा गुठलियां इकट्ठी हों। विद्यालय में श्हर गुठली, एक उम्मीदश नारा भी लिखा गया है। बच्चों ने संकल्प लिया कि वे घर-पड़ोस में भी लोगों को गुठली फेंकने से रोकेंगे। एकत्र गुठलियों को मानसून में श्एक छात्र-एक पेड़श अभियान के तहत रोपा जाएगा। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की है। पंच अशोक कुमार मिश्रा ने कहा कि अगर हर स्कूल ऐसा करे तो कुछ साल में गांव फिर से हरा-भरा हो जाएगा।

मानवता की मिसाल, कैंसर पीड़ित महिला के लिए देवदूत बनीं अधिवक्ता संगीता, अस्पताल पहुंचकर किया रक्तदान

पन्ना।

शमानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म हैश और श्रक्तदान महादान हैश की उक्ति को पन्ना की अधिवक्ता संगीता पटेल ने एक बार फिर सच साबित कर दिखाया है। उन्होंने एक गंभीर रूप से पीड़ित महिला की जान बचाने के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया और समाज के सामने संवेदनशीलता की एक अनुपम मिसाल पेश की।

जानकारी के अनुसार, ग्राम महेवा निवासी श्रीमती रंची बाई वंशकार लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। उपचार के दौरान अचानक उनके शरीर में रक्त की भारी कमी हो गई और उन्हें अत्यंत आपातकालीन स्थिति में रक्त की आवश्यकता थी। परिवार परेशान था और जीवन की उम्मीदें धुंधला रही थीं।

फरिश्ता बनकर पहुंचीं संगीता-

जैसे ही इस संकट की खबर अधिवक्ता संगीता पटेल तक पहुंची, उन्होंने बिना एक पल गंवाए अपने सारे जरूरी काम छोड़ दिए। वह तत्काल पन्ना जिला अस्पताल पहुंचीं और पूरी आत्मीयता के साथ रक्तदान कर अपना सामाजिक दायित्व निभाया। उनके इस छोटे से प्रयास ने पीड़ित महिला के परिवार को जीवन की नई उम्मीद और चेहरे पर मुस्कान लौटा दी।

गर्व और संतोष का क्षण-

इस मानवीय कार्य के बाद अधिवक्ता संगीता पटेल ने भावुक होते हुए कहा, ष्किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने का सौभाग्य मिलना बेहद गर्व और आत्मिक संतोष का विषय है। हमारा चंद मिनटों का यह प्रयास किसी के बुझते हुए जीवन का दीपक दोबारा जला सकता है। समाज में हम सभी को एक-दूसरे की ढाल बनकर आगे आना चाहिए।

रक्तदान महादान की अपील -

संगीता पटेल के इस सेवा भाव की समाजसेवी राम बिहारी गोस्वामी,बृजेश रैकवार, अधिवक्ता सोनेलाल प्रजापति एवं अस्पताल स्टाफ और नगरवासियों ने जमकर सराहना की है। वास्तव में, जब समाज का हर नागरिक इस तरह जागरूक और संवेदनशील बनेगा, तभी मानवता सुरक्षित रहेगी। आपका एक यूनिट रक्त किसी के जीवन की नई शुरुआत बन सकता है। आइए, इस महादान का हिस्सा बनें।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनेगी जी राम जी योजना- पूर्व मंत्री श्री सिंह ग्राम जमुनहाई में सम्पन्न हुआ जिला स्तरीय जन सम्मेलन सह लॉन्च कार्यक्रम

पन्ना। पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा है कि देश भर में मनरेगा के विकल्प के रूप में एक जुलाई 2026 से प्रभावशील विकसित भारत जी राम जी योजना में रोजगार दिवस में बढ़ोत्तरी के साथ मजदूरी राशि में भी बढ़ोत्तरी हुई है। अधिनियम एवं कानून के रूप में क्रियान्वयन के लिए लागू की गई विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) गांव की अर्थव्यवस्था का मजूबत आधार स्तंभ बनेगी। इसमें 125 दिवस रोजगार सहित 7 दिवस में मजदूरों को बेरोजगारी भत्ता का भुगतान भी संभव हो सकेगा। जी राम जी के तहत अधोसंरचनात्मक विकास कार्यों में ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोगी भवन एवं अन्य निर्माण कार्य सहित जल संरक्षण के तथा कृषि क्षेत्र में विविध कार्य भी शामिल हैं। पन्ना विकासखंड अंतर्गत गुरूवार को ग्राम पंचायत जमुनहाई में सपन्न हुए जी राम जी के जिला स्तरीय जन सम्मेलन सह लॉन्च कार्यक्रम के अवसर पर उन्होंने कहा कि गांव का पैसा गांव के विकास के लिए एवं गांव के लोगों को गांव में ही रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की मंशा के साथ शुरू की गई इस योजना में पहले की भांति ग्राम को स्वावलंबी बनाने का उद्देश्य भी निहित है। पन्ना विधायक ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा गांव की समृद्धि के लिए भी कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। हमें मोटा अनाज व जैविक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में उपस्थितजनों से गांव की पुरानी खानपान संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य करने की अपील की गई। साथ ही जी राम जी के माध्यम से गांव का बेहतर मास्टर प्लान तैयार करने तथा पारदर्शिता के साथ विकास कार्यों को पूर्ण कराने का आह्वान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अब कोई भी गांव सड़क और विद्युतविहीन नहीं है। जी राम जी कानून के लागू होने पर उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए गांव का बेहतर विकास मॉडल तैयार करने तथा अधिकारियों को भी विभिन्न कार्यों के उचित क्रियान्वयन के साथ सतत मॉनिटरिंग के लिए भी कहा।

कलेक्टर ऊषा परमार ने अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी तथा सरपंच एवं सचिव से जिम्मेदारीपूर्वक कार्यों के संपादन तथा नियम मुताबिक समस्त कार्यवाही की अपेक्षा की। इस विषय के बारे में लोगों को जागरूक कर लाभों से अवगत कराने तथा प्रचार-प्रसार के लिए भी कहा।

जन शिक्षा केंद्र खोरा के सत्येन्द्र सिंह लोधी की माताजी का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

अजयगढ़। जन शिक्षा केंद्र खोरा से जुड़े शिक्षाविद् एवं निवासी ग्राम पयारी श्री सत्येन्द्र सिंह लोधी की परम पूज्य माताजी श्रीमती बुटुआ बाई का दुखद निधन हो गया। उनके देवलोक गमन के समाचार से परिजनों, शुभचिंतकों तथा क्षेत्रवासियों में शोक की लहर व्याप्त है। परिवार के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार आज पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। उनके निधन पर क्षेत्र के सामाजिक, शैक्षणिक एवं विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

आदिवासी की एक एकड़ ज़मीन बिक्री के नाम पर दलालों ने पांच एकड़ करा ली अपने नाम

बहन की जमीन बेचने के बहाने ले गए थे रजिस्ट्री कार्यालय पीडित केशरी गौड़ द्वारा कलेक्टर की जनसुनवाई में एवं बृजपुर थाना में भी की गई शिकायत

पन्ना।

जिले की पन्ना तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत इटवा खास के ग्राम खिरवा में केशरी गौड़ पिता दद्दू गौड की पांच एकड़ जमीन थी उस पर दलालों की नजर थी क्योंकि आदिवासी अनपढ़ गरीब था दलालो द्वारा कूट रचित योजना बनाते हुए। मुलायम गोंड और सूकलू गौड को शामिल करते हुए उनके द्वारा केशरी गौड़ से कहा गया कि तुम्हारी बहन की जगह एक एकड़ है वह बिक्री होनी है तो तुम्हे सिर्फ पंजीयक के सामने खड़ा होकर बयान देना है कि मुझे कोई आपत्ति नहीं है इसके बदले तुम्हे पचास हजार रुपए मिल जाएंगे। 10 जून 2026 को जब पंजीयक के सामने केशरी गौड़ पहुंचा तो वहां पर उसकी बहन नहीं पहुंची तो उसने मुलायम गोंड से कहा कि बहन नहीं आई है अब किसकी जगह बिक्री कर रहे हैं तो मुलायम गोंड ने कहा कि तुम घबराओ नहीं तुम्हारी जगह ही एक एकड़ बिक्री करा देते हैं तुम्हें तीन से चार लाख रुपए मिल जाएंगे वह तैयार हो गया और फिर मुलायम गोंड ने उससे कहा कि तुम्हें पंजीयक के सामने कहना पड़ेगा की एक एकड़ जगह बिक्री करनी है और बिक्री का काम चालू हुआ और एक एक एकड़ कहकर उसकी पांच एकड़ जमीन अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर रजिस्ट्री करा दी गई। मामला यहां शांत नहीं हुआ उसी दिन उसका इलाहाबाद बैंक पन्ना में खाता खुलवाया गया और उसके खाते में 9 लाख 78 हजार रुपए डाले गए, जिसकी राशि मुलायम गोंड द्वारा केशरी गौड़ से नगद रूप में 50-50 हजार करके डेढ़ लाख रुपये तुरंत निकलवा लिये एवं 3 लाख 80 हजार आरटीजीएस मुलायम गोंड ने अपने नाम पर कर लिया। केशरी गौड़ जब अपनी जगह पर पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनकी पूरी जगह बिक्री हो चुकी है फिर उनकी पैरों तले से जमीन खिसक गई और जमीन खरीदने वालों ने बताया कि वह जमीन उन्होंने मुलायम गोंड और सूकलू गोंड के द्वारा 3 लाख 50 हजार रुपए में एक एक एकड़ खरीदी है तथा जमीन की राशि सत्रह लाख पचास हजार रुपए दिए हैं इसकी शिकायत पीड़ति केशरी गौड़ द्वारा पन्ना कलेक्टर की जनसुनवाई में एवं बृजपुर थाना में भी की गई है। उक्त संबंध में शक्ति प्रकाश पांडे थाना प्रभारी बृजपुर से विषय में बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि मामला संज्ञान में आया है सभी बिंदुओं की जांच की जाएगी और जो भी तथ्य निकाल कर सामने आएंगे और जो भी दोषी होगा उनके खिलाफ करवाई की जायेगी। उक्त धोखाधड़ी के मामले से क्षेत्र में हड़कंप का माहौल है ज्ञात हो इटवा खास में आए दिन इस प्रकार के धोखाधड़ी के मामले सामने आते हैं।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में घायल 45 वर्षीय की मौत,

छतरपुर। सड़क हादसे में घायल 45 वर्षीय व्यक्ति की गुरुवार को जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान रामकुमार (45) पिता कमल, निवासी कोटरा, थाना महोबकंठ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार रामकुमार 29 जून को अलीपुर में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। समारोह से लौटते समय वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। गंभीर हालत में उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।मृतक के पुत्र राहुल वर्मा ने बताया कि उनके पिता घर से बीज खरीदने के लिए करीब 25 हजार रुपये लेकर निकले थे। हादसे की सूचना मिलने पर परिजन पहले अलीपुर थाना पहुंचे, जहां उन्हें दुर्घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद जब वे जिला अस्पताल पहुंचे तो उन्हें मृतक का मोबाइल फोन और केवल 1,500 रुपये नकद मिले। परिजनों का आरोप है कि रामकुमार की जेब में रखी करीब 25 हजार रुपये की नकदी गायब है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर गायब रकम का पता लगाने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

घुवारा सीएचसी में डॉक्टरों से अभद्रता, कार्रवाई की मांग को लेकर एसपी से मिले चिकित्सक

छतरपुर। घुवारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ कथित अभद्रता व मारपीट की घटना के बाद चिकित्सकों में आक्रोश है। गुरुवार को डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की। चिकित्सकों का कहना है कि ऐसी घटनाओं से अस्पताल का माहौल प्रभावित हो रहा है और स्वास्थ्यकर्मी भय के बीच अपनी सेवाएं देने को मजबूर हैं।सीएचसी में पदस्थ डॉ. आनंद यादव ने बताया कि देर रात करीब एक बजे सड़क दुर्घटना में घायल मरीज को लेकर 30 से 40 लोग अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि इनमें से कुछ लोग शराब के नशे में थे और उन्होंने अस्पताल परिसर में गाली-गलौज, हंगामा तथा स्टाफ के साथ मारपीट की। चिकित्सकों के अनुसार कुछ लोग गर्भवती महिलाओं के वार्ड में भी घुस गए, जिससे वहां भर्ती मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों में दहशत फैल गई। डॉ. यादव ने बताया कि नर्स की सूचना पर जब वह मौके पर पहुंचे तो उनके साथ भी अभद्रता, गाली-गलौज और मारपीट की गई। घटना की शिकायत घुवारा थाने में दर्ज कराई गई, जिस पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चिकित्सकों ने पुलिस अधीक्षक से अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

दो नकाबपोश महिलाओं ने उड़ाया 7 लाख रुपये का हार, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

छतरपुर। शहर के बजरिया स्थित रामगली में दादा मातेले की दुकान पर दिनदहाड़े दो नकाबपोश महिलाओं ने कथित रूप से करीब 7 लाख रुपये कीमत का सोने का हार चोरी कर लिया। घटना का शिकार उत्तर प्रदेश के चरखारी निवासी माधुरी सोनी हुईं, जो खरीदारी के लिए दुकान पर पहुंची थीं।
बताया जा रहा है कि खरीदारी के दौरान दो नकाबपोश महिलाओं ने बड़ी चतुराई से महिला का ध्यान भटकाया और मौके का फायदा उठाकर हार चोरी कर लिया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके फुटेज अब सामने आए हैं। दुकान संचालक और पीड़िता ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों संदिग्ध महिलाओं की पहचान करने और उनकी तलाश में जुट गई है। क्षेत्र में हुई इस वारदात के बाद व्यापारियों और ग्राहकों में चिंता का माहौल है।

पुलिस ने बताया कि पहले भी आरक्षक पति के विरूद्ध पत्नी दर्ज करा चुकी मामले

आरक्षक पति ने राह चलते पत्नी का छीना मोबाइल, कोतवाली में दर्ज हुआ मामला

छतरपुर । सिटी कोतवाली के अंतर्गत लोधी कुइयां निवासी प्रज्ञा शर्मा पत्नी शिवम शर्मा पुत्री उदय शर्मा ने कोतवाली ने एक लिखित आवेदन पत्र देकर शिकायत दर्ज कराई कि 29 जून को वह दोपहर 2 से 3 बजे के बीच अदालत से पेशी करके लौट रही थी तभी बस स्टेण्ड के पास मोती महल के सामने जब वह टैक्सी में बैठी थी तभी उसका पति शिवम शर्मा जो वर्तमान में पुलिस लाइन में है। वह आया और उसके हाथ से जबरन मोबाइल छीनकर एकांत में चलकर बात करने के लिए दबाव बनाने लगा, लेकिन आवेदिका प्रज्ञा शर्मा ने जाने से मना कर दिया और अपना मोबाइल मांगा लेकिन आरक्षक पति शिवम शर्मा ने मोबाइल दे दिया और वहां से चला गया प्रज्ञा शर्मा ने रिपोर्ट में लिखाया कि मोबाइल कबर में पांच-पांच सौ रूपये के दो नोट रखे हुए थे तथा मोबाइल में आवेदिका के समस्त दस्तावेज भी अपलोड हैं। प्रज्ञा शर्मा ने रिपोर्ट में बताया कि उसे शिवम से जान का खतरा है क्योंकि आवेदिका प्रज्ञा शर्मा का शिवम के मध्य न्यायालय में प्रकरण चल रहा है। आवेदिका ने मांग की है कि उक्त घटना के संबंध में सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखवाकर एवं निकलवाकर जांच कराई जाए। आवेदिका के आवेदन पर कोतवाली पुलिस ने प्रथम दृष्टया अपराध धारा 304(2) बीएनएस का मामला पंजीबद्ध किया है। आपको बता दें कि एक साल पहले भी प्रज्ञा शर्मा ने अपने आरक्षक पति शिवम शर्मा के विरूद्ध मारपीट करने और दहेज की मांग करने की रिपोर्ट लिखाई थी जिस पर

महिला थाने में मामला पंजीबद्ध हुआ था और न्यायालय में चालान भी पेश किया गया था। जिसका मामला न्यायालय में विचाराधीन है। इसके अलावा प्रज्ञा शर्मा ने अपने पति शिवम शर्मा के विरूद्ध धारा 144 का प्रकरण न्यायालय श्रीमान प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय में दर्ज कराया था जो विचाराधीन है। और इसी मामले में 29 जून को अदालत से वह पेशी करके वह लौट रही थी। तभी उसके पति आरक्षक शिवम शर्मा ने जबरन मोबाइल छीन लिया क्योंकि मोबाइल में प्रज्ञा शर्मा को प्रताड़ित करने और मारपीट करने संबंधी सभी वीडियो और ऑडियो मौजूद थे। वहीं इस संबंध में कोतवाली टीआई सतीश सिंह से जब चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि पति-पत्नी के बीच का मामला है आरक्षक को काफी समझाने का प्रयास किया गया लेकिन वह मानने को तैयार नहीं है।

अस्पताल से कैदी भागने के मामले में भी हो चुका निलंबित -

आरक्षक शिवम शर्मा जिसे अनुकंपा नियुक्ति मिली हुई है वह जिला अस्पताल से एक कैदी भागने के मामले में निलंबित भी हो चुका है। वहीं जब आरक्षक शिवम शर्मा की पत्नी प्रज्ञा शर्मा ने दहेज और प्रताड़ित करने का मामला महिला थाने में दर्ज कराया था तब पुलिस अधीक्षक ने उसे गोयरा थाने से पुलिस लाइन अटैच किया था। क्योंकि पुलिस विभाग के नये निर्देशों के तहत किसी भी पुलिस कर्मी के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध होने पर उसे थाने में पदस्थ नहीं किया जा सकता है।

महिला वार्ड में लगा मिला ताला, मरीज इलाज के लिए तड़पते रहे, अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर उठे सवाल

छतरपुर। जिला अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर एक बार फिर गंभीर लापरवाही सामने आई है। जानकारी के अनुसार अस्पताल की तीसरी मंजिल स्थित महिला वार्ड में ताला लगा मिला, जिससे इलाज के लिए पहुंची मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस घटना ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बताया जा रहा है कि अस्पताल में साफ-सफाई की स्थिति भी बेहद खराब है। वार्डों में पर्याप्त डस्टबिन नहीं होने से कचरा फैला रहता है, जबकि शौचालय बदहाल स्थिति में हैं। कई बाथरूमों में न तो रोशनी की व्यवस्था है और न ही अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। भीषण गर्मी के बावजूद कई वार्डों में कूलर और पंखे बंद पड़े होने की शिकायतें भी सामने आई हैं, जिससे मरीजों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। कुछ मरीजों को जमीन पर लेटकर उपचार कराना पड़ रहा है।
अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था और मरीजों के परिजनों के साथ व्यवहार को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कई बार मरीजों और उनके परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है, जिससे अस्पताल की व्यवस्थाओं पर लोगों का भरोसा प्रभावित हो रहा है। सबसे गंभीर मामला अस्पताल में परोसे जा रहे भोजन और वार्डों की स्वच्छता को लेकर सामने आया है। आरोप है कि भोजन में कीड़े-मकोड़े और कॉकरोच मिलने के साथ-साथ वार्डों में भी कॉकरोचों का आतंक देखा गया है। इस संबंध में सोशल मीडिया और मीडिया में वायरल वीडियो भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है तो यह मरीजों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ माना जाएगा। स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों ने जिला प्रशासन से अस्पताल की व्यवस्थाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही अस्पताल में स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्था तथा मूलभूत सुविधाओं को तत्काल सुधारने की आवश्यकता जताई है।

मां की डांट से आहत नाबालिग ने खाया जहरीला पदार्थ, जिला अस्पताल में भर्ती

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के गौरैया गांव में मां की डांट से आहत होकर एक नाबालिग लड़की द्वारा जहरीले पदार्थ का सेवन करने का मामला सामने आया है। गंभीर अवस्था में परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, नाबालिग की मां ने उसे घर का काम नहीं करने पर डांट दिया था। इससे नाराज होकर किशोरी ने घर में गेहूं के भंडारण के लिए रखी जहरीली दवा का सेवन कर लिया। कुछ देर बाद जब वह घर में दिखाई नहीं दी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान वह खेत में अचेत अवस्था में मिली।घटना की

जानकारी मिलते ही परिजनों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस की सहायता से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार, फिलहाल उसकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के बाद मां ने भावुक होकर कहा कि माता-पिता बच्चों की भलाई के लिए ही उन्हें डांटते हैं, लेकिन बच्चों को किसी भी परिस्थिति में ऐसा आत्मघाती कदम नहीं उठाना चाहिए। मामले की सूचना पुलिस को भी दे दी गई है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 3.50 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

छतरपुर। म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा छतरपुर जिले के गंभीर बीमारी से पीड़ित 7 लोगों को बेहतर उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से कुल 3.50 लाख रुपए की स्वीकृत की गई है। हितग्राही अरूण सेन पिता पहलवान सेन निवासी बिजावर को 80 हजार रूपए, ओमप्रकाश प्रजापति पिता जानकी प्रजापति नि. बडामलहरा को 75 हजार रुपए, आशीष कुमार अग्रवाल पिता अशोक कुमार अग्रवाल नि. वार्ड नं. 36 छतरपुर, खुशबू गंधर्व पति प्रमोद गंधर्व नि. ग्राम बिलहरी नौगांव एवं किरन निगम पति प्रदीप निगम नि. बिजावर को 50-50 हजार रुपए, भैयालाल चडार पिता किशोरी चडार नि. कुही बकस्वाहा को 25 हजार रुपए व कंचीबाई चढ़ार पति कनहई चढ़ार नि. सेंधपा बडामलहरा जिला छतरपुर को 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

अनाथ किशोर के दिवंगत पिता का ट्रैक्टर सगे चाचा ने धोखाधड़ी से कराया अपने नाम, एसपी से शिकायत

छतरपुर। बमनौरा थाना क्षेत्र के ग्राम रामटौरिया निवासी एक 16 वर्षीय अनाथ किशोर ने अपने सगे चाचा पर धोखाधड़ी कर दिवंगत पिता का ट्रैक्टर अपने नाम ट्रांसफर कराने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित सूर्य प्रताप सिंह पायक ने गुरूवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायती आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई। पीड़ित ने बताया कि कोरोना काल में उसकी मां और अक्टूबर 2023 में बीमारी के कारण पिता भगवान सिंह की मृत्यु के बाद से वह टीकमगढ़ जिले के पलेरा थाना अंतर्गत ग्राम चरी में अपनी विवाहित बहन के पास रह रहा है। उसके पिता के नाम पर मैसी कंपनी का एक ट्रैक्टर था, जिसके मूल दस्तावेज आज भी किशोर के पास ही सुरक्षित हैं। करीब एक सप्ताह पहले जब उसने ऑनलाइन रिकॉर्ड सर्च किया और टीकमगढ़ आरटीओ में जांच करवाई, तो पता चला कि उसके सगे चाचा देवी सिंह ने जालसाजी करते हुए 7 मई 2026 को आगर मालवा आरटीओ से उक्त ट्रैक्टर धोखे से अपने नाम पर ट्रांसफर करवा लिया है। माता-पिता के साये से महरूम किशोर ने पुलिस अधीक्षक से इस धोखाधड़ी की जांच कर आरोपी चाचा के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।

एसपी ने किया खुलासाः ज्वेलरी दुकान से बैग चोरी करने वाला अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार, 12 लाख के आभूषण बरामद

छतरपुर। जिला पुलिस ने ज्वेलरी दुकान से सोने-चांदी के जेवरातों से भरा बैग चोरी करने के मामले में एक बड़ी सफलता हासिल की है। थाना हरपालपुर पुलिस ने एक शातिर अंतरराज्यीय चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब 12 लाख रुपये मूल्य के आभूषण बरामद किए हैं। एसपी ने गुरूवार को पुलिस कंट्रोल रूम में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए मामला का खुलासा किया है।

दिसंबर 2025 की घटना का पर्दाफाश

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने बताया कि माह दिसंबर 2025 में हरपालपुर कस्बे के फरियादी रामबाबू सोनी की ज्वेलरी दुकान से सोने-चांदी के आभूषणों से भरा बैग चोरी हुआ था, जिसकी रिपोर्ट पर हरपालपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा दस हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई थी। पुलिस अधीक्षक छतरपुर रजत सकलेचा द्वारा इस प्रकरण की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही थी।

राजस्थान से दबोचा गया शातिर चोर

भौतिक व तकनीकी साक्ष्यों तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गठित पुलिस टीम ने आरोपी मुख्तार अली पिता अहमद अली, निवासी छावडा, जिला बारा (राजस्थान) को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी इंजमान उर्फ रियान (निवासी बड़ागांव शाहगंज, जिला जौनपुर, उत्तर प्रदेश) के साथ मिलकर चोरी की इस वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए विभिन्न प्रकार के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 12 लाख रुपये है।

6 से अधिक अपराधों में लिप्त है आरोपी

पकड़ा गया आरोपी मुख्तार अली एक आदतन और शातिर अपराधी है। वह उत्तर प्रदेश के लखनऊ व मैनपुरी, राजस्थान के कोटा तथा मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में चोरी, धोखाधड़ी और अवैध हथियार रखने जैसे 6 से अधिक गंभीर अपराधों में लिप्त रहा है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस बड़ी कामयाबी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले एवं एसडीओपी नौगांव अमित मेश्राम के मार्गदर्शन में हरपालपुर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह सिकरवार, नौगांव थाना प्रभारी निरीक्षक संजय राय, साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक नेहा गुर्जर, प्रधान आरक्षक बृजराज, आरक्षक रामकिशोर यादव, कमलेश, संदीप, राहुल भदौरिया तथा साइबर सेल से धर्मराज पटेल व अभय अहिरवार की मुख्य भूमिका रही।

डॉक्टर दिवस पर महान अस्पताल में उन्नत नवजात पुनर्जीवन कार्यशाला आयोजित

डॉक्टर दिवस के अवसर पर हिंडालको महान अस्पताल बरगँवा,सिंगरौली द्वारा नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल एवं जीवनरक्षक प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय उन्नत नवजात पुनर्जीवन (**Neonatal Resuscitation**) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों एवं पैरामेडिकल कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नवजात पुनर्जीवन की आधुनिक तकनीकों एवं अंतरराष्ट्रीय दिशानिर्देशों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक डॉ. जॉनसन वर्गीज (**MD**, **MRCP**, **FRCP**), डायरेक्टर–इमरजेंसी मेडिसिन, एस्टर हॉस्पिटल, कोच्चि रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को नवजात पुनर्जीवन की वैज्ञानिक पद्धतियों, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय क्षमता एवं टीम आधारित उपचार प्रणाली पर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान सिमुलेशन, केस आधारित चर्चा तथा हैंड्स-ऑन प्रैक्टिकल सत्र आयोजित किए गए।
कार्यक्रम में डॉ. दीप्ति शरण (चीफ कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट), डॉ. मुदित कुलश्रेष्ठ (कंसल्टेंट एनेस्थेटिस्ट), डॉ. गुरमीत सिंह (सीनियर कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स), डॉ. प्रदीप एवं डॉ. पॉल ने सक्रिय सहभागिता निभाई। वहीं नर्सिंग एवं पैरामेडिकल टीम से सिस्टर कविता, सिस्टर आरती, सिस्टर तारा, सिस्टर राधा, ओटी टेक्नीशियन हरजीत एवं प्रवेश ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
कार्यशाला में जन्म के तुरंत बाद उत्पन्न होने वाली गंभीर परिस्थितियों जैसे बर्थ एस्फिक्सिया, श्वसन अवरोध, कम हृदय गति, प्री-टर्म नवजातों की देखभाल एवं अन्य नवजात आपात स्थितियों के प्रभावी प्रबंधन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को वायुमार्ग प्रबंधन, बैग एवं मास्क वेंटिलेशन, प्रारंभिक पुनर्जीवन, तापमान संरक्षण तथा नवजात के सुरक्षित स्थिरीकरण की उन्नत तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया।
महान अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष शरण ने कहा कि नवजात शिशु के जन्म के बाद के शुरुआती मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे कौशल आधारित प्रशिक्षण चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों एवं पैरामेडिकल टीम की दक्षता बढ़ाने के साथ आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर प्रभावी उपचार सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि महान अस्पताल गुणवत्तापूर्ण मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

एनटीपीसी विंध्याचल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सा जगत को किया गया सम्मानित

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 2026 उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में प्रशासनिक भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की समर्पित सेवाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) श्री किशोर कुमार होता थे। कार्यक्रम में श्री ए.जे. राजकुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ओ एंड एम) एवं सीईओ (बीआरबीसीएल), श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस एवं एडीएम), श्री एस.के. सिन्हा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं एफएम), डॉ. बी.के. भराली, महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएं), श्री देबब्रत त्रिपाठी, महाप्रबंधक (टीएस एवं प्रोजेक्ट्स) तथा श्रीमती रूमा दे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख विंध्याचल की गरिमामयी उपस्थिति रही।
कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. बी.सी. राय को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया, जिनकी स्मृति में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। इसके उपरांत दीप प्रज्ज्वलन एवं एनटीपीसी गीत के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। स्वागत उद्बोधन में श्रीमती रूमा डे शर्मा ने चिकित्सकों के समाज के प्रति अमूल्य योगदान तथा उनके सेवा-भाव की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया गया। डॉ. प्रतिमा महेंद्र, वरिष्ठ विशेषज्ञ

(विंध्य चिकित्सालय) ने डॉ. बी.सी. राय के जीवन एवं योगदान पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। वहीं डॉ. आदित्य राजनारायण मिश्रा, उप विशेषज्ञ (विंध्य चिकित्सालय) ने वयस्क टीकाकरण (एडल्ट वैक्सीनेशन) तथा डॉ. बी.के. भराली ने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों (लाइफस्टाइल डिजीज) पर जानकारीपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।अपने संबोधन में श्री किशोर कुमार होता ने चिकित्सकों की निष्ठा, सेवा-भाव और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए विंध्य चिकित्सालय द्वारा स्थापित उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने चिकित्सा टीम को इसी समर्पण के साथ कार्य करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।
कार्यक्रम में एनटीपीसी, चिकित्सा जगत, खेल एवं बॉलीवुड पर आधारित रोचक क्विज़, मनोरंजक खेल एवं विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिससे समारोह में उत्साह का वातावरण बना रहा। अंत में सभी चिकित्सकों का सम्मान किया गया तथा सामूहिक छायाचित्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती कामना शर्मा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मानव संसाधन, टीएडी एवं आईटी विभाग का विशेष सहयोग रहा।

खबर संक्षेप

शिक्षक श्यामराज शुक्ला हुए सेवानिवृत्त, भावभीनी दी गई विदाई

मऊगंज। जिले के नईगढ़ी विकासखंड अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, जोधपुर-1 में पदस्थ वरिष्ठ शिक्षक श्यामराज शुक्ला शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। विशेष बात यह रही कि उन्होंने अपनी नियुक्ति से लेकर सेवा निवृत्ति तक पूरे सेवाकाल में इसी विद्यालय में अपनी सेवाएं दीं और विद्यार्थियों के बीच एक समर्पित एवं अनुशासित शिक्षक के रूप में अपनी पहचान बनाई। सेवानिवृत्ति के अवसर पर विद्यालय परिवार, सहकर्मी शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने श्री शुक्ला का पुष्पमालाओं से स्वागत कर भावभीनी विदाई दी। उपस्थित वक्ताओं ने उनके शिक्षण कार्य, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान विद्यालय और क्षेत्र के लिए सदैव प्रेरणादायक रहेगा। कार्यक्रम में नईगढ़ी बीआरसीसी राममणि सिंह, अरुणा त्रिपाठी, सुरेंद्र पांडेय, प्रतिमा मिश्रा, कुमारी रूही सिंह, नरसिंह बहादुर सिंह, संतोष मिश्रा,पवन शर्मा, आशीष शुक्ला, उमेश उर्मलिया ने सेवानिवृत शिक्षक श्यामराज शुक्ला के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घ जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह सम्मान, आत्मीयता और भावुक माहौल के बीच संपन्न हुआ।

सदन को गुमराह करने के आरोप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बर्खास्त किया जाए : अजय खरे

रीवा। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि साल भर पहले सीमा पार से हुई आतंकवादी गतिविधियों के जवाब में भारत के द्वारा मई 2025 में पाक अधिकृत कश्मीर पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के द्वारा 28 जुलाई 2025 को लोकसभा में झूठी जानकारी देने पर इधर विरोध के स्वर मुखर हैं। यह विशेषाधिकार हनन का मामला है। विदित हो कि 28 जुलाई 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद (लोकसभा) में'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस के दौरान, विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए कहा थाः आपको सवाल पूछना है तो ये पूछिए कि इस ऑपरेशन में क्या हमारे जांबाज़ सैनिकों को कोई क्षति पहुंची है तो उसका उत्तर है नहीं। श्री खरे ने बताया कि अभी यह जानकारी है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान छः भारतीय जवान वीरगति को प्राप्त हुए। जबकि 11 माह पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में यह बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की कोई सैनिक क्षति नहीं हुई है।

होटलों में फायर फाइटिंग सिस्टम की अनदेखी, दिल्ली जैसे हादसे का खतरा

शहर में अधिकांश होटल संचालकों के पास नहीं है एनओसी
ननि की नोटिस का नहीं दिखा असर, अब तक नहीं दिया जवाब

रीवा। शहर के होटलों में जहां हर समय भीड़-भाड़ जमा होती है, वहां पर आग से जुड़ी घटनाओं के दौरान बचाव के सुरक्षा उपाय नाकाफी हैं। हाल ही में दिल्ली में हुई घटना ने रीवा शहर की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर के होटलों में वर्तमान में केवल समदडिया गोल्ड के पास एनओसी है और कुछ की रिन्यूवल की प्रक्रिया चल रही है। वहीं अधिकांश होटलों के पास लंबे समय से एनओसी ही नहीं है। आग की घटनाओं के दौरान बचाव के संसाधन पर्याप्त हैं कि इसकी पुष्टि ही नहीं है। इसलिए माना जा रहा है कि यहां ठहरने वाले लोगों के जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है। होटल संचालकों की इस मनमानी की सबसे प्रमुख वजह यह बताई जा रही है कि मध्यप्रदेश में फायर एक्ट का कोई कानून ही नहीं है, जिसकी वजह से सख्ती नहीं हो पा रही है और इसका फायदा होटल संचालक उठा रहे हैं। शासन की ओर से बीच-बीच में गाइडलाइन जारी की जाती है और नगरीय निकाय को जांच के निर्देश दिए जाते है। कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने की वजह से मनमानी बढ़ती जा रही है। बता दे नेशनल बिल्डिंग कोड और अग्नि सुरक्षा से जुड़े अन्य नियमों में प्रावधान किया गया है कि 15 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले बिल्डिंग को फायर एनओसी लेना जरूरी है। साथ ही 500 र्गमीटर क्षेत्रफल का दायरा वालों को भी एनओसी जरूरी किया गया है। रीवा शहर में आवासीय क्षेत्रों में भी होटल खुल गए हैं, जहां एनओसी लेने के लिए नोटिस भी जारी किए गए जिस पर उक्त नियमों के दायरे में नहीं आने का हवाला देकर बचने का प्रयास करते हैं, जबकि सुरक्षा व्यवस्था वहां भी जरूरी होती है। इन दिनों रीवा शहर में आवासीय क्षेत्रों में भी होटल खुल गए है, जहां पर रूकनें वालों की सुरक्षा का कोई घ्यान नही दिया जाता है।

अग्निकांड का खतरा बना रहता है

नगर निगम ने रीवा शहर में फायर एनओसी नहीं लेने वाले कई प्रमुख होटलों के संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं लेकिन कइयों ने अब तक जवाब ही नहीं दिया है। शहर में समदडिया गोल्ड के पास अभी एनओसी है। जबकि न्यू बस स्टैंड में स्थित होटल की एनओसी एक्सपायर हो चुकी है। इसी तरह विष्णु एंपायर, चंद्रलोक, एसपीएस सहित अन्य कई प्रमुख होटलों की एनओसी एक्सपायर हो चुकी है। एसपीएस की ओर से एनओसी के लिए आवदेन किया गया है, प्रक्रिया चल रही है। कई छोटे होटलों में भी बड़ी संख्या में लोग रहते हैं, वहां भी अग्निकांड का खतरा बना रहता है।

दो तरफ से निकास द्वार जरूरी है

नेशनल बिल्डिंग कोड के अनुसार होटल या अन्य बड़े भवनों में निकासी के लिए दो द्वार अनिवार्य रूप से होना चाहिए। इससे आपात स्थितियों में तत्काल सहायता दी जा सकती है लेकिन रीवा शहर में सड़कों के किनारे होटल बना दिए गए हैं, जिसमें एक ही ओर से आने और जाने का रास्ता होता है। आपात स्थिति में ऊपरी मंजिल से नीचे उतरने के भी पर रुकने वालों की सुरक्षा का कोई कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं होते

छोटी पुल पर तेज रफ्तार बाइक जामुन के ठेले से टकराई, युवक गंभीर घायल

रीवा। शहर के व्यस्ततम मार्गों में शामिल छोटी पुल पर सोमवार को एक तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े जामुन के ठेले से टकरा गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर की तीव्रता से ठेले पर रखा जामुन सड़क पर बिखर गया, जिससे कुछ देर के लिए पुल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना के बाद राहगीरों ने तत्काल घायल युवक की सहायता की और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल-

112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराते हुए उपचार के लिए संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय भेजा, जहां उसका इलाज जारी है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए पुल पर यातायात भी प्रभावित रहा। मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ लगने से आवागमन धीमा पड़ गया, जिसे बाद में पुलिस ने सामान्य कराया। छोटी पुल क्षेत्र में सड़क किनारे अव्यवस्थित तरीके से लगने वाले फल एवं अन्य ठेले लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। पुल जैसे संकरे और अत्यधिक व्यस्त मार्ग पर ठेलों के कारण वाहनों के आवागमन के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

तीन मोटर साइकिलों की आमने-सामने हुई भिड़ंत, एक की मौके पर मौत, तीन घायल

जनेह थाना क्षेत्र के पपौरा गांव में हुआ सड़क हादसा

रीवा। जिले के जनेह थाना क्षेत्र अंतर्गत पपौरा गांव में गुरुवार को हुए भीषण सड़क हादसे में तीन मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं। तेज रफ्तार और आमने-सामने हुई इस जोरदार भिड़ंत में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस और डायल-112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। ड्यूटी पर तैनात आरक्षक प्रवीण कुमार गुप्ता तथा चालक आशीष कुमार कुशवाहा ने ग्रामीणों की सहायता से सभी घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के

अनुसार हादसे में मुकेश यादव (38) पिता संगठन प्रसाद यादव, निवासी द्वारी, थाना सोहागी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं ज्ञानचंद आदिवासी (32) पिता रामराज आदिवासी, निवासी घुसरूम थाना जनेह, उनकी पत्नी साधना आदिवासी (28) तथा विकास यादव (26) पिता ललन यादव, निवासी गड़रगवां थाना जनेह गंभीर रूप से घायल हुए हैं। चिकित्सकों की निगरानी में सभी घायलों का उपचार जारी है। बता दे तीनों मोटरसाइकिलें पपौरा गांव के पास आमने-सामने आ गईं, जिससे जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए और सवार सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।

रीवा-सीधी फोरलेन मुआवजा निर्धारण पर फूटा किसानों का गुस्सा, सैकड़ों ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रीवा। रीवा-सीधी राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा निर्धारण प्रक्रिया को लेकर किसानों का आक्रोश गुरुवार को खुलकर सामने आया। गुढ़ तहसील अंतर्गत रीठी, उमरी, खामा-खड्डा, महसांव, पुराष सहित आसपास के कई गांवों के सैकड़ों किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे और कथित अनियमितताओं के विरोध में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।
किसानों ने रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान मुआवजा निर्धारण में गंभीर त्रुटियां की गई हैं। कई किसानों की भूमि का सही मूल्यांकन नहीं किया गया, जिससे उन्हें नियमानुसार मिलने वाले मुआवजे से वंचित होना पड़ सकता है।ज्ञापन में किसानों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, मुआवजा निर्धारण में हुई कथित गड़बड़ियों को दूर करने तथा सभी प्रभावित किसानों को शासन के नियमों के अनुरूप उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। किसानों का कहना था कि यदि समय रहते विसंगतियों का निराकरण नहीं किया गया तो उन्हें आंदोलन तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने किसानों की बात गंभीरता से सुनी और उन्हें आश्वस्त किया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा तथा यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो उसे तत्काल सुधारते हुए मुआवजा निर्धारण की प्रक्रिया नियमानुसार कराई जाएगी। प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से बी.एन. राव, कामरेड लालमणि त्रिपाठी, विशम्भरनाथ पटेल, राम सेवक पटेल (मुखिया), रीठी सरपंच शैलेंद्र देव, प्रभाकर देव, धीरेन्द्र सिंह, हिरामणि पटेल, जितेन्द्र पटेल, विनोद पटेल, रामकुमार पटेल, रामचंद्र तिवारी, कमलेश सिंह, मनोज तिवारी, प्रदीप रावत, विजय कोल, रामकृपाल मिश्रा, रामगोपाल पटेल, रविशंकर सहित सैकड़ों प्रभावित किसान उपस्थित रहे।

सर्पदंश से घबराएं नहीं बरते सावधानी - एक घंटे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं

रीवा । जिले में वर्षा का क्रम शुरू हो गया है। वर्षा के दौरान साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने आमजनता को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि विन्ध्य क्षेत्र में प्रमुख रूप से तीन जहरीले सांपों, करैत, रसेल वाइपर तथा कोबरा के काटने के कारण मौत की घटनाएं होती हैं। साँप काटने के बाद एक घण्टे की अवधि में सही उपचार होने पर पीड़ति की जान आसानी से बचाई जा सकती है। साँप काटने के तत्काल बाद निकट के अस्पताल जाकर एक घण्टे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन रीवा जिले के सभी विकासखण्डों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल में उपलब्ध है। समय पर इंजेक्शन लगने पर जान का खतरा समाप्त हो जाता है। डॉ. त्रिपाठी ने कहा है कि साँप काटने के स्थान पर तीखी जलन होती है। पीड़ति को अवसाद, उल्टी आना, लकवा तथा आँख की पुतलियों के फैल जाने के लक्षण दिखाई देते हैं। विष का प्रकोप होने के बाद पीड़ति में माँसपेसियों में ऐंठन और चेतनाहीनता हो जाती है। इसके बाद साँस रूकने से मौत हो जाती है।

जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के 40 पदों पर होगी भर्ती

रीवा । राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर पोषण प्रबंधन को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेश सहित रीवा जिले की विभिन्न बाल विकास परियोजनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी सहायिकाओं की भर्ती करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह ने बताया कि रीवा जिले में कुल 40 पदों पर योग्य महिला अभ्यर्थियों की नियुक्तियां की जाएंगी। भर्ती में स्थानीय पात्रताधारियों को प्राथमिकता मिलेगी। कुल रिक्तियों में से 9 पद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए और 31 पद आंगनवाड़ी सहायिकाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं। इन पदों पर चयन के लिए पारदर्शिता और स्थानीय प्रतिनिधित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। नियमों के मुताबिक आवेदिका का उसी राजस्व ग्राम या शहरी वार्ड का निवासी होना अनिवार्य है, जहां का पद रिक्त है। किसी अन्य ग्राम या वार्ड की महिला इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र नहीं मानी जाएगी। इससे स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता मिलने से मैदानी स्तर पर सेवाओं का कुशल संचालन सुनिश्चित हो सकेगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी रहेगी। इसमें एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से ही आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। इच्छुक महिला अभ्यर्थी चयन पोर्टल (https://chayan.mponline.gov.in) पर जाकर अपने आवेदन पत्र ऑनलाइन जमा कर सकती हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई निर्धारित की गई है, जबकि भरे गए फॉर्म में किसी भी प्रकार के त्रुटि सुधार के लिए 15 जुलाई तक का समय दिया जाएगा। केवल पोर्टल पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों को ही स्वीकार किया जाएगा। किसी भी स्तर के कार्यालय में ऑफलाइन भेजे गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा के मापदंडों के अनुसार दोनों ही पदों के लिए आवेदिकाओं का हायर सेकेंडरी अर्थात 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अन्य राज्यों या अशासकीय बोर्डों की अंकसूचियों को तभी मान्यता दी जाएगी जब वे माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश की समकक्षता सूची में शामिल हों।

गांवों की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करेगी वीबी-जीराम जी योजना - सांसद

रीवा । भारत सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका और रोजगार को नई दिशा देने के लिए शुरू किए गए महत्वाकांक्षी अभियान विकसित भारत– गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जीराम जी योजना शुरू की गई है। योजना का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आन्ध्रप्रदेश के तिरुपति जिले में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि आज का यह दिन हमारे ग्रामीण भारत के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। वीबी जीराम जी योजना केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह हमारे गांवों की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने का संकल्प है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका का जो संकल्प तिरुपति से लिया गया है, उसकी गूंज आज रीवा के हर गांव में सुनाई दे रही है। हर हाथ को काम मिले और हर ग्रामीण परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हो। जब हमारे गांवों की माताएं, बहनें और युवा आत्मनिर्भर होंगे, तभी देश आत्मनिर्भर बनेगा। वर्ष 2047 तक भारत को एक महाशक्ति और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह योजना सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी। नई योजना से गांव के विकास को गति मिलेगी। मजदूरों को तीन सौ रुपए प्रतिदिन बढ़ी हुई मजदूरी मिलेगी। इस योजना से जल संरक्षण के कार्य प्राथमिकता से कराए जाएंगे। हमें भविष्य को देखते हुए कम पानी में उपज देने वाली फसलों की ओर जाना होगा। मैं रीवा के हर नागरिक, किसान, युवा और स्व-सहायता समूह की दीदियों से अपील करता हूं कि वे इस मिशन से जुड़ें और अपनी आजीविका को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। जिले की सभी जनपद और ग्राम पंचायतों में भी वीबी-जीराम जी योजना के शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किए गए और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष रायपुर कर्चुलियान श्रीमती सुमन बलिकरण साकेत एवं जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी, जिला पंचायत सदस्य ब्रजेश कोरी, लालमणि त्रिपाठी, मृत्युंजय तिवारी, विनय तिवारी, सीईओ जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान प्रदीप दुबे, परियोजना अधिकारी शिव सोनी, लेखा अधिकारी योगेंद्र पांडेय, संजय सिंह, अन्य अधिकारी-कर्मचारी, त्रि-स्तरीय पंचायत प्रतिनिधि, स्व-सहायता समूहों की दीदियां, किसान और बड़ी संख्या में स्थानीय युवा उपस्थित रहे।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें - कमिश्नर

मऊगंज। रीवा संभाग के कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने मऊगंज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं, विकास कार्यों एवं विभागीय उपलब्धियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कमिश्न कमिश्नर अधिकारियों से कहा कि वे अपने पदीय दायित्वों का जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक विभाग शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य करे। निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हों तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण प्राथमिकता से किया जाए। विभागीय कार्यों के निष्पादन में किसी प्रकार की कठिनाई होने पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएं। बैठक में कमिश्नर ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए खरीफ की फसल की बोनी के लिए उर्वरक का पर्याप्त भंडारण कर लें। ई-विकास पोर्टल से ही किसानों को उर्वरक का वितरण करें। किसानों को बिना किसी परेशानी के बीज और उर्वरक का वितरण करायें। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए शिविर आयोजित करें। कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में संचालित स्वास्थ्य संस्थाओं, डिलीवरी प्वाइंट, पोषण पुनर्वास केंद्र, एएनसी पंजीयन तथा हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार, शिशु मृत्यु दर तथा मातृ मृत्यु दर में नियंत्रण एवं बच्चों का

पोषण स्तर बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर अनिवार्य रूप से पंजीयन तथा नियमित जाँच सुनिश्चित करें। संयुक्त संचालक शिक्षा स्कूलों और छात्रावासों की व्यवस्थाओं में सुधार कराएं। उन्होंने विद्यालयों में नामांकन, छात्रवृत्ति, पाठ्यपुस्तक वितरण, साइकिल, लैपटॉप एवं स्कूटी वितरण, सीएम राइज विद्यालय तथा पीएमश्री विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि विद्यार्थियों को स्कूलों में अच्छी शिक्षा मिले इसका विशेष रूप से ध्यान रखें। बैठक में कमिश्नर ने जिले की सिंचाई परियोजनाओं, नईगढ़ी सूक्ष्म दबाव सिंचाई परियोजना, सीतापुर-हनुमना बैराज, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के निर्माण कार्यों, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा मिशन, जनपद एवं जिला पंचायत भवन निर्माण तथा डीएमएफ एवं मनरेगा कन्वर्जेंस के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान पोषण मिशन 2.0, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, गर्भवती महिलाओं के समग्र सत्यापन, एफआरएस रिपोर्ट, आभा आईडी की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि जिन भी लोगों के आभा और अपार आईडी नहीं बनी है उनकी तत्काल आईडी बनवाएं जिससे उन्हें योजनाओं का लाभ मिल सके। ऊर्जा विभाग की समीक्षा में अटल गृह ज्योति योजना, अटल किसान ज्योति योजना, वितरण ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता, जले हुए ट्रांसफार्मरों के प्रतिस्थापन तथा घरेलू एवं कृषि फीडरों पर विद्युत आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की गई। कमिश्नर ने कहा कि संयुक्त संचालक पशुपालन कामधेनु योजना, क्षीरधारा योजना तथा पशुओं के टीकाकरण की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सभी पशुओं को समय पर टीके लगवाएं। बैठक में आगामी मानसून एवं संभावित बाढ़ की तैयारियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बताया गया कि वर्ष 2025 में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं तथा संवेदनशील वर्गों के बचाव के लिए स्थानीय कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। कमिश्नर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, विकास कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने तथा जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा में जिले में स्वीकृत नल-जल योजनाओं एवं जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि जिले में 302 एकल ग्राम नल-जल योजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें से 184 पूर्ण हो चुकी हैं तथा 160 योजनाएं संबंधित ग्राम पंचायतों को संचालन एवं संधारण हेतु हस्तांतरित की जा चुकी हैं। समूह नलजल योजनाओं का कार्य तय समय सीमा में पूरा कराकर हर घर में नल से पानी की आपूर्ति कराएं। निर्माण कार्यों तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी राष्ट्रीय क्षति है। शेष योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। बैठक में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जल अर्पण ग्राम पंचायत कुल्बहेरिया, जल गंगा संवर्धन अभियान, टंकी एवं सम्पवेल निर्माण, हर घर जल योजना, रीवा-बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना तथा टमस ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना की भी जानकारी दी। कलेक्टर ने कहा कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का तत्परता से पालन कराया जाएगा और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में कमिश्नर को कलेक्टर द्वारा सुपारी के गणेश की प्रतिमा भी भेंट की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीम हनुमना राजेश मेहता, एसडीम मऊगंज एपी द्विवेदी सहित सभी विभागों के विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।